

**TECH TALK**

IIIT में ड्रोन और जियोसिंथेटिक्स के 175 शोधकर्ता आए

# सुरंग व पुल की निगरानी ड्रोन से

सिटी रिपोर्टर • इंदौर

ड्रोन और जियोसिंथेटिक्स टेक्नोलॉजी से आने वाले समय में डेवलपमेंट की तस्वीर बदलेगी। इसके लिए इनोवेशन वाली रिसर्च बढ़ानी होगी। देश में तेजी से डेवलपमेंट करने के लिए टेक्नोलॉजी का सहारा लेना ही होगा। यह बात फेरो कंक्रीट निर्माण कंपनी के अध्यक्ष और भारतीय भू-तकनीकी संस्था के पूर्व अध्यक्ष डॉ. महावीर बिदासरिया ने आईआईटी इंदौर में आयोजित तीन दिनी राष्ट्रीय संगोष्ठी में कही। इसमें देशभर से 175 से ज्यादा शोधकर्ता, इंजीनियर, स्टूडेंट्स, ड्रोन एक्सपर्ट और इंडस्ट्रीज से जुड़े लोग आए। आयोजन अनुसंधान नेशनल रिसर्च फाउंडेशन, आईआईटी के सिविल इंजीनियरिंग डिपार्टमेंट, एसआरएम यूनिवर्सिटी और आईजीएस इंदौर चैप्टर द्वारा किया गया। विशेषज्ञों ने कहा कि अब



सड़क, पुल, नींव, ढलान और सुरंग निर्माण में जियोसिंथेटिक्स और ड्रोन का उपयोग बढ़ रहा है। इससे निर्माण ज्यादा मजबूत, टिकाऊ और कम खर्च में हो रहा है। ड्रोन का इस्तेमाल भूमि सर्वेक्षण, निर्माण कार्य की निगरानी, एआई से आंकड़ों के विश्लेषण और इमारतों की सुरक्षा जांच में किया जा रहा है। आईआईटी के डायरेक्टर प्रो. सुहास जोशी ने कहा कि ऐसे कार्यक्रम से टेक्नोलॉजी से जुड़ी चीजों का आदान-प्रदान होता है।

## पुस्तक का विमोचन

सभी एक्सपर्ट आईआईटी के पास बन रही सुरंग निर्माण स्थल पर गए। यहाँ जियोसिंथेटिक्स और ड्रोन से की जा रही निगरानी का लाइव प्रदर्शन किया गया। शिलाएं और खनिज नामक पुस्तक का विमोचन प्रो. विनोद कुमार ने किया। कार्यक्रम में संयोजक डॉ. रामु बाड़ीगा आदि मौजूद थे।